समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 28 September 2026

Mohsin Naqvi BCCI के घेराव मे, ICC बना सकता है पैनल एशिया कप ट्रॉफी विवाद सुलझाने के लिए

Sanket Morankar Published on 08 Nov 2025

दुबई से आई रिपोर्ट के अनुसार, Board of Control for Cricket in India (BCCI) ने दुबई में आयोजित ICC बोर्ड बैठक में एशिया कप 2025 ट्रॉफी मुद्दा औपचारिक रूप से उठाया। भारत ने 28 सितंबर को दुबई में पाकिस्तान को हराकर खिताब अपने नाम किया, लेकिन ट्रॉफी अभी भी Mohsin Naqvi के पास है, जो पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) और ACC के अध्यक्ष भी हैं। Cricbuzz की रिपोर्ट के अनुसार, ICC ने BCCI और Naqvi के बीच जारी deadlock को सुलझाने के लिए मध्यस्थता करने और पैनल बनाने की पेशकश की है।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब भारत ने फाइनल मैच के बाद ट्रॉफी लेने से मना कर दिया। भारतीय टीम ने Naqvi के पाकिस्तान के अध्यक्ष होने के कारण ट्रॉफी लेने से इंकार किया। इसके बाद एक अधिकारी ने बिना किसी स्पष्ट कारण के ट्रॉफी को प्रेजेंटेशन क्षेत्र से हटा लिया।

BCCI ने ICC बैठक से लगभग दस दिन पहले ACC अध्यक्ष को पत्र लिखकर ट्रॉफी की शीघ्र हैंडओवर की मांग की थी। बावजूद इसके कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला।

रिपोर्ट में बताया गया कि ICC बोर्ड में इस मुद्दे पर हुई चर्चा सौहार्दपूर्ण और गैर-उग्र माहौल में हुई। किसी भी प्रकार की कटुता देखने को नहीं मिली। BCCI के सचिव देवाजित सैइकिया ने स्पष्ट किया कि ट्रॉफी भारत की टीम की योग्यता के अनुसार है और इसे तुरंत सौंपा जाना चाहिए।

वर्तमान में ट्रॉफी ACC कार्यालय में रखी गई है। सूत्रों के अनुसार इसे हटाने का आदेश केवल Naqvi की स्पष्ट मंजूरी पर ही दिया जा सकता है।

सूत्रों के अनुसार ICC, यदि स्थिति बिगड़ती है, तो ट्रॉफी विवाद को सुलझाने के लिए एक पैनल गठन कर सकता है। ICC बोर्ड

के कई सदस्य इस बात पर सहमत हैं कि ट्रॉफी को चैंपियंस को देने में देरी क्रिकेट प्रशासन की छवि को नुकसान पहुंचा सकती है।

Naqvi की दुबई बैठक में उपस्थिति अंतिम क्षण तक अनिश्चित थी। उन्होंने इससे पहले कई ICC बैठकों में भाग नहीं लिया था, जिनमें जुलाई में सिंगापुर में वार्षिक सम्मेलन भी शामिल था। लेकिन शुक्रवार को वह ICC मुख्यालय पहुंचे और उनकी उपस्थिति बोर्ड चर्चा का मुख्य पहलू बन गई।

देवाजित सैइकिया ने साफ कर दिया कि BCCI ट्रॉफी सीधे Naqvi से स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा, "अगर भारत इसे स्वीकार करने के इच्छुक होता, तो हम फाइनल के तुरंत बाद ले लेते। हमारी बोर्ड की स्थिति अभी भी वही है।"

BCCI की यह स्थिति साफ करती है कि भारत किसी भी राजनीतिक या व्यक्तिगत विवाद के बावजूद ट्रॉफी अपने अधिकार के अनुसार ही प्राप्त करेगा। ICC के हस्तक्षेप से उम्मीद की जा रही है कि यह deadlock जल्द सुलझ जाएगा।

भारत के एशिया कप विजेता होने के बावजूद ट्रॉफी का लंबे समय तक न मिलना, क्रिकेट प्रशासकों और फैंस के बीच सवाल खड़े कर रहा है। यह विवाद न केवल भारत और पाकिस्तान के बीच खेल को प्रभावित करता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाता है।

ICC द्वारा पैनल बनाने की संभावना यह दिखाती है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ऐसे विवादों को सुलझाने के लिए संस्थागत ढांचे का उपयोग किया जा सकता है। BCCI का रुख यह संकेत देता है कि बोर्ड अपने खिलाड़ियों और टीम की प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए कोई भी कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा।

एशिया कप ट्रॉफी विवाद यह स्पष्ट करता है कि क्रिकेट सिर्फ खेल नहीं, बल्कि प्रशासन और राजनीतिक जटिलताओं का भी हिस्सा बन गया है। BCCI और Naqvi के बीच यह टकराव, ICC की मध्यस्थता और पैनल गठन के संभावित निर्णय, क्रिकेट प्रशासकों के लिए चुनौतीपूर्ण हैं।

इस मामले का जल्द समाधान न सिर्फ भारत के खिलाड़ियों के उत्साह और मानसिक स्थिति के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि पूरे एशिया कप और ICC की प्रतिष्ठा के लिए भी निर्णायक होगा। खेल प्रेमी अब ICC की कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं, ताकि विजेता टीम को उनका हक मिल सके।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.